

पूर्व ज्ञान/ विषय वस्तु पाठ्येतर विषय वस्तु	अधिगम उद्देश्य	
	सामान्य	विशिष्ट
पूर्व ज्ञान: महाभारत की कथा पूर्वज्ञान संबन्धित प्रश्न-परिशिष्ट संख्या-12अ/1 विषय वस्तु- सुदामा चरित उपविषय वस्तु :- अ) कवि का परिचय । आ) नैतिक कथाओं की महत्ता । इ) सृजनात्मकता एवं मूल्यांकन पाठ्येतर विषय वस्तु *भजन लेखन *सूची निर्माण *नाटकीय रूपान्तरण	विद्यार्थी :- अ) कवि के साहित्यिक योगदान से परिचित हो सकेंगे । आ) कृष्ण-सुदामा की कथा को जान सकेंगे । इ) पात्रों का चयन कर संवाद लिख सकेंगे ।	विद्यार्थी :- अ) 1. कवि के साहित्यिक योगदान से परिचित हो उनकी अन्य रचनाओं के नामों की सूची बना सकेंगे । अ) 2. नरोत्तम दास जी के समकालीन कवियों के नामों की सूची बना सकेंगे। आ) 1. सच्ची मित्रता के अप्रतिम उदाहरण के रूप में कृष्ण की मित्रता की किसी कथा का नाट्य रूपान्तरण कर सकेंगे। आ) 2. कृष्ण की महिमा का गुणगान करते हुए स्वयं भजन लिख सकेंगे । इ) ऐतिहासिक ग्रंथों से किन्हीं दो ऐसे पात्रों का चुनाव करेंगे जिनकी मित्रता अथवा शत्रुता की कहानी इतिहास में एक नया अध्याय रच गई । यथा - कृष्ण-सुदामा; सुयोधन(दुर्योधन)-कर्ण; द्रुपद-द्रोणाचार्य, कृष्ण-अर्जुन; राम-सुग्रीव; राम-विभीषण आदि । विद्यार्थी अपनी कथा को संवाद(वार्तालाप) के माध्यम से कक्षा के विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत कर सकेंगे। तत्पश्चात् सभी कथाओं को संकलित कर 'इतिहास के कुछ पन्ने' नाम से संग्रह तैयार कर सकेंगे तथा चयन का आधार समान बिन्दु अव अपने विचार भी लिख सकेंगे ।

गृहकार्य:- पाठ से संबन्धित प्रश्न

क्रियाविधि:- संवाद लेखन से संबन्धित

अध्यापिका की गतिविधि	विद्यार्थियों की गतिविधि	पाठ पढ़ने के बाद अध्यापिका का मंतव्य तथा निराकरण
पूर्व ज्ञान पर आधारित प्रश्न पूछेंगी:- परिशिष्ट संख्या :-12अ/1 काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि :- परिशिष्ट संख्या :-12अ/2 अध्यापिका के निर्देशन में उचित गति लय के साथ शुद्ध उच्चारण का ध्यान रखते हुए कविता पाठ करेंगे । अध्यापिका के निर्देशन में विद्यार्थी अध्यापिका द्वारा निर्धारित अंश की व्याख्या का प्रयास करेंगे । अध्यापिका के निर्देशन में कविता के भाव को आत्मसात कर पाठ के अंत में दिये प्रश्नों के उत्तर देने का प्रयास करेंगे । क्रियाकलाप हेतु क्रियाविधि :- परिशिष्ट संख्या :-12अ /3 अभ्यास हेतु कार्यपत्र :- परिशिष्ट संख्या :-12अ /4	पूर्व ज्ञान पर आधारित प्रश्नों के उत्तर देंगे:- परिशिष्ट संख्या :-12आ/1 काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि में भाग लेंगी । परिशिष्ट संख्या :-12आ/2 उचित गति लय के साथ कविता के शुद्ध उच्चारण में समर्थ होंगे । निर्धारित अंशों की व्याख्या करेंगे । पाठ के अंत में दिये प्रश्नों के उत्तर देंगे । अपनी गतिविधियों में भाग लेंगी। परिशिष्ट संख्या :-12आ/3 अभ्यास हेतु दिए गए कार्यपत्र को पूर्ण करेंगे। परिशिष्ट संख्या :-12आ/4	* पाठ पढ़ाने के बाद लिखा जाएगा ।

सहायक सामग्री :- पाठ्य-पुस्तक ,स्मार्ट बोर्ड एवं संलग्न प्रपत्र १ कार्यपत्र ,२ क्रियाकलाप का विवरण विधि:- १. पठन-पाठनविधि,२. उदाहरण विधि,३. काठिन्य निवारण विधि, ४. व्याख्या विधि ५.व्यास विधि
अन्तःविषय संबंध :- जीवन मूल्य, सामाजिक ज्ञान, पर्यावरण जागरूकता ।
विद्यालय परिसर :- प्रार्थना सभा में जाकर स्वरचित भजनों गा कर आनंदित हो सकेंगे ।

1.पूर्व ज्ञान से संबन्धित प्रश्न -परिशिष्ट संख्या -12अ/1

प्रश्न.1- 'महाभारत' के बारे में क्या जानते हैं?

उत्तर- भारतीय संस्कृति के महानतम ग्रन्थों का नाम बताइए?

प्रश्न.2- महाभारत के युद्ध में अर्जुन को किसने उपदेश दिया था ?

उत्तर. कृष्ण ने ।

प्रश्न.3- कृष्ण जी के मित्रों के नाम बताइए ।

उत्तर. सुदामा ,अर्जुन

कथन:- आइये 'सुदामा चरित ' पाठ को पढ़ कर जानते हैं कि किस प्रकार प्रभु कृष्ण ने सुदामा से मित्रता निभाई ।

2.काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि :- परिशिष्ट संख्या -12अ/2

*कक्षा को चार समूहों में विभाजित किया जाएगा।

*प्रत्येक समूह एक A 4 शीट पर निर्धारित अंश से कठिन शब्दों को लिखेगा ।

*समूह आपस में अदलाबदली कर अर्थ लिखने का प्रयास करेंगे।

*अध्यापिका उत्तर की पुष्टि कर छात्राओं को उत्तर पुस्तिका पर अर्थ लिखने का निर्देश देगी।

(यथासंभव इस गतिविधि में परिवर्तन लाये जाएंगे यथा कभी छात्र चिट पर भी कठिन शब्दार्थ लिख सकते हैं या कभी अध्यापिका स्वयं चिट पर कठिन शब्द लिख कर अर्थ लिखने को कह सकती है ।)

क्रियाकलाप हेतु क्रिया विधि:- परिशिष्ट संख्या -12अ/3

- अध्यापिका सभी विद्यार्थियों को एक जोड़े में समूह बनाने को कहेंगी ।
- विद्यार्थियों को प्रसिद्ध ग्रंथों जैसे : महाभारत, रामायण, रामचरितमानस, सूरसागर, सुदामाचरित आदि में से किन्हीं दो ऐसे पात्रों का चुनाव करने को कहा जाएगा जिनकी मित्रता अथवा शत्रुता की कहानी इतिहास में एक नया अध्याय रच गई । यथा -
कृष्ण-सुदामा; सुयोधन(दुर्योधन)-कर्ण; द्रुपद-द्रोणाचार्य, कृष्ण-अर्जुन;राम-सुग्रीव; राम-विभीषण आदि ।
- विद्यार्थी अपनी कथा को संवाद(वार्तालाप) के माध्यम से कक्षा के विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत करेंगे।
- तत्पश्चात् सभी कथाओं को संकलित कर 'इतिहास के कुछ पन्ने' नाम से संग्रह तैयार करेंगे।
- अंत में अध्यापिका को मूल्यांकन के लिए देंगे ।
- गतिविधि के पश्चात विद्यार्थियों को कार्यपत्र करने के लिए दिया जाएगा ।

मूल्यांकन के मानदण्ड :-

क्रम संख्या	मूल्यांकन के क्षेत्र	अंक-10
1	विषय की प्रस्तुति	3
2	प्रभावोत्पादकता	3
3	भाषा का स्तर एवं शुद्धता	2
4	कार्य की पूर्णता	1
5	समयबद्धता	1

अभ्यास हेतु कार्यपत्र दिया जाएगा :- परिशिष्ट संख्या -12अ/4

पाठ : सुदामा-चरित

विद्यार्थी का नाम :

गतिविधि : इतिहास के कुछ पन्ने

अनुक्रमांक :

पात्र विशेष को चुनने का आधार :

पात्र विशेष से समानता के बिन्दु :

मेरा विचार :